

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी0) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : दिसम्बर-2010

प्रश्न पत्र-IV

समय : 3 घन्टे

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-I (ताजिक शास्त्र)

1. 3 नवम्बर 1976 (बुधवार) को 14:20 बजे बेंगलूर में जन्मे जातक के लिए सन् 2010 के लिए वर्ष कुण्डली बनाएं।
2. प्रश्न 1 के लिए सभी ग्रहों का हृद्द बल ज्ञात करें। इसकी क्या महत्ता है?
3. लग्नेश व कार्येश की किसी योग के फलादेश में क्या महत्ता है? तीन प्रकार के इत्थसाल योग कौन से हैं? उदाहरण सहित समझाएं।
4. निम्न का उत्तर दें :-
(क) कम्बूल योग (ख) रद्द योग
(ग) पुन्य योग (घ) विवाह सहम
5. प्रश्न 1 के लिए मुन्था की गणना करें। मुन्थेश की 12 भावों में स्थिति क्या फल देती है?

भाग-II (मुहूर्त)

6. गृह प्रवेश के मुहूर्त चयन के लिए कौन से ज्योतिषीय तथ्य विचारणीय हैं? विस्तार से समझाएं।
7. "विवाह का निर्धारण स्वर्ग में होता है" - यदि आप इस कथन से सहमत हैं तो विवाह मुहूर्त का व उसके निर्धारण का क्या औचित्य है?
8. रिक्त स्थान भरें :-
i) शुक्रवार और ----- नक्षत्र से अमृत सिद्धि योग बनता है।
ii) यदि चन्द्रमा धनु राशि में गोचर करता है तो भद्रा ----- में निवास करती है।
iii) सोमवार प्रातः 8 बजे यात्रा का ----- मुहूर्त होता है।
iv) बुधवार और ----- तिथि के दग्ध तिथि कहते हैं (विशाखा)।
v) यदि सूर्य मघा नक्ष से गोचर करता है तो ----- को लता दोष नक्षत्र कहेंगे।
vi) कुत्तिका जन्म नक्षत्र के लिए ----- वध (निधन) तारा कहलाते हैं।
vii) विवाह मुहूर्त में धित्रा नक्षत्र के लिए ----- वेध नक्षत्र हैं।
viii) मृगशिरा नक्षत्र के लिए ----- साधक तारा कहलाते हैं।
ix) सूर्य किसी भी राशि में ----- अंश पर हो तो मृत्यु पंचक दोष बनता है।
x) सभी शुभ मुहूर्तों की कुण्डलियों में ----- भाव रिक्त होना चाहिए।
9. मुहूर्त में जन्म नक्षत्र एवं जन्म राशि की महत्ता पर विस्तार से चर्चा करें।
10. एकविंशति महादोष क्या हैं? विस्तार से समझाएं।